4177

सं को वि वि । पानी व । 42-87 | 42275. -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । सरस्वती वूलन मिक्स, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया पानीपत, के श्रीमक श्री सतवन्त सिंह, पुत्र श्री करतार सिंह मार्फत आनन्द जवाहरा इण्डस्ट्रीयल वर्कर बूनियन, नवल सिनेमा के पीछे पानीपत तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भौगीिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णव हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रीचोगिक विवाद श्रिष्ठितियम, 1947, की बारा 10 की उपवारा (1) के बण्ड (ग) द्वारा प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिष्ठसूचना सं 3 (44)84-3 अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त श्रिष्ठसूचना की धारा 7 में श्रिष्ठीन गटित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतू निर्दिण्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री सतवन्त सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राह्य का इकदार है ?

सं ब्रो॰ वि॰/पानी॰/43-87/42282. — चू कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ सरस्वती वूलन मिल्ज इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, पानीपत, के श्रमिक श्री श्याम श्रासरे, पुत्र श्री साधु सिंह मार्फत श्रानन्द जवाहरा इण्डस्ट्रीयल वर्कर यूनियन, नवन सीनेमा के पीछे पानीपत तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद हैं

भीर चूं कि इरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समज्ञते है

इसलिए, अन, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 3(44) 84-3 अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला, को विवादग्रस्त मा उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाद दीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों सवा अभिक के कीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री प्याम श्रासरेकी सेवाश्रों का समापन च्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहतेका संस्था किया है हकदार है ?

स. मो वि./पानी र्/ 40-87/42289 क्यूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि से क्सरस्वती बूलन किहा हिस्त्र इस्ट्रीयल ऐरिया पानीपत, के श्रीमक श्री बिसेशुर, पुत्र श्री बाबू सिंह, मार्फत ग्रानन्द जवाहरा इंडस्ट्रीयल, वर्कर यूनियन, नवल सिनेमा के पिछे पानीपत तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद जिखिल मामले में कोई भौद्योनिक विवाद है कि

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस किवाद को स्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्टः करना वांझनीय समझते हैं 🐎 प्रश्निक 🖰

इलिसए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की आरा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदीन की गई शिवस्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 3(44) 84-3 अस, दिनांक हैं 18 सूर्यल, 1984, द्वारा एक्स अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला, को विवादप्रस्त या उससे सम्बन्धित बीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिण्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादप्रस्त भामला है या विवाद से सुसंगत प्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

सं श्रोः वि./पानीः/41-87/42/296.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की द्वार्य है कि मैं कु सरस्वती मुस्तन मिक्क इडस्ट्रीयस ऐरिया, पानीपत के श्रमिक श्री राम श्रासरे, पुत्र श्री राम सेवक, मार्फत ग्रानन्द जवाहरा इडस्ट्रीयल वर्कर यूनियन, नवल सीनेमा के पीछे पानीपत तथा उसके श्रैबैन्धकों के मेध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीकींगिक विवाद है, कि भीर चूंकि हस्सिणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ; .

इसलिये, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की निर्मा प्रदान की निर्माण करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 3(44)84—3 श्रम, दिनांक 18 अप्रैलं, 1984 द्वारा उत्तर प्रधिसूचना की घारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, प्रम्बाला, को विवाद प्रस्त या उससे सम्बन्धित में नीचे लिखा भाभला न्यायनिषय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अधवा संबंधित मामला है:—

क्यांव्यी .े राम -मासरे 'की सेवार्घो'का पसमापन ः न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं 'तो वह∌ किस⊴ राहत का≭ं ः - हकदारः है ?

सं भो वि | गृहगांव | 259-87 | 42303.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै । भगवान महाबीर चेरीटेबल माईज हस्पीटल कम कम्नुयटी माईज एण्ड रिसर्च सैन्टर हैलीमण्डी, पटोदी जिला गुड़गांव । 2. मुख्य चिकत्सा मिकारी, गृड़गांव के अमिक श्री कुल जीत सिंह पुत श्री छजु राम, गांव व जिला जटोली, तह जटोदी, जि गुड़गांव के सम्बन्ध में कोई श्री होगों कि विवाद है ;

श्रोद्रःच्रिक्कहरियाणा के। राज्यपाल इसःविवादःको न्यायनिर्णय हेतुःनिर्दिष्ट करना बांछतीय समझते हैं।

इतिलिने, बन्दर मौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के बन्द (व) द्वारा प्रवान कि गई सिल्समों का प्रतोन करित है । इतिलिस के सिल्समों का प्रतोन करित के सिल्समों का प्रतान के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के बाति । गठित को द्वारिक के सिक्स के बीच या तो विवाद सस्त मामला/ सिक्स के सिक्स के बीच या तो विवाद सस्त मामला/ सामले है अथवा विवाद से सुसंगत वा सम्बन्धित मामला/मामले है न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्याः श्रीः कुलजीतः सिंह की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है..? यदि नहीं, तो वह किसः सहतः का है-. हकदार हैतः

सं० मो० वि०/गृहगांव/262-87/42310 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये हैं कि मै० 1. भगवान महाबीर भैरीटेबल माईज हस्पीटल कम कम्यूनिटी प्राईज रिसर्च सैन्टर, हैलीमण्डी पटोदी, जिला गृहगांव । 2. मृख्य धिकित्सा मधिकारी, गृहगांव के अभिक श्री. कैलास-चन्द, पुत्र श्री राम गुलाम, गांव तथा डा० पटौदी, जिला गुड़गांव-तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

ः **भौर 'चूंकि हरियामा**ंके स्राज्यपाल इस<sup>्</sup>विवाद को न्यायनिर्णयः हेतुः निर्विष्टः करना स्वा<mark>छनीय समझते 'हैं</mark> '; ;

इसंबिन, जन, सीबोगिक निवाद मिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) हारा प्रदान की गई सक्तियों का त्रनोग करते हुवे हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के मधीन गठित मीबोगिक मिधिकरण, हरियाणा, करीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवस्त्रप्रस्त भामला/ मामले है भाषा विवाद ते सुसंगत या संबंधित मामला/मामले है न्याय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

ृ क्या श्री क्ष्में साम चन्य की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है '? यदि नहीं तो वह किस **राहत का हकबार**ा । है.?:

सं० मो ० वि०/गृहगाव/258-87/42318 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० 1. भगवान महाबीर वैरीटेबल माईज हस्पीटल कम कम्यूनिटी माईज एण्ड रिसर्च सैन्टर, हैलीमण्डी, पटौदी जिला गुड़गांव। 2. मुख्य विकित्सा मधिकारी, गृहगांव; के स्वालिक स्त्रीरे सूत्रोरे सिंह पुल श्रीर बुज राम, गांच चन्दवास, डाठ असीया की। गोरावासन तह इं रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीक्षोगिक विवाद है;

्**भोर**ः <del>चूंकि</del>ःहरियाणा 'केः राज्यपालःइसः विवावःकोःन्यायनिर्णयः हेतुः निर्दिष्टः करना स्वा<del>धनीमः समझते</del> हैहेः

इसलिये, ग्रन, प्रीचोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (म्) हारा प्रदान की है भइ शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के संधीन गठित शीबोगिक मधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामले जो कि उन्त प्रबन्धकों तथा श्रीनकों के बीच या तो निनादग्रस्त मामला/ मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्वावनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं :--

क्या श्री सुमेर सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वि न्यूड्यांव/249-87/42327.—चूंकि हरिवाणा के राज्यपाल की राम है कि मैं ६ रूप रब्बड़ मिल्ज प्राठ लि ..., महरोली रोड, गुड़गांव, के श्रमिक श्री सुधीर कुमार मार्फत श्री महाबोर त्यागी इन्टक, देहली रोड, गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भीखोगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को त्यावनिर्णव हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, श्रीशोगिक विवाद अधिनियम, 1947, की भारा 10 की उपभारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदेशन की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उन्स श्रीशिन्यम की भारा 7-क के श्रीभीन गठित भी शोगिक श्रीशंकरण, हरियाणा, फरोदाबाद, को नी वे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उन्त श्रवन्यकों तथा श्रीमकों के बीच वा तो विवाद ग्रामल मामला/मामले हैं, श्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री सुधीर कुमार की सेवाग्नों का समापन न्यायीचित्र तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वि । एफ ही 42334 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं । सलेक्टिव सिक्योरिटि ब्यूरो 306, सरस्वती हाऊस नेहरू प्लेस नई दिल्ली, के श्रमिक श्री दया कान्त झा मार्फत भी यदुवीर झा बंगाल सुटीगं, 14/5, नियर जिल कालोनी, फरीदाबाद, तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट- करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के प्रजीन गठित भौद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्दिष्ट मामले जो कि उक्त अबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले ह ग्रथवा विवाद से सुसंगत मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री दया कान्त झा की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो॰ वि०/गुड़गांव/261-87/42341.—चूंकि हरिमाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं॰ डिलाईट फोम एण्ड पोलीमर, प्लाट नं॰ 87, महरोली रोड, गुड़गांव के श्रमिक श्री हरीहर प्रसाद मार्फंत श्री मुरली कुमार, सचिव, 5/1, शिवाजी नगर, गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस बिबाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय, समझते हैं:

इसलिए, भम, भौद्योगिक विवाद अभिनियम, 1947, की भारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की मई मनितयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उन्त अभिनियम की भारा 7-क के अधीन गठित श्रीद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला/मामने जो कि उन्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादयस्त मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री हरीहर प्रसाद की सेवाओं का समापन न्याबोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का इस्टार है ?